प्रश्न बैंक

QUESTION BANK

कक्षा–12

विषय –हिन्दी अनिवार्य

भाग–अ

प्रश्न 1. नीचे दिये गए बहु विकल्पी प्रश्नों मे सही विकल्प का चयन कर उतर पुस्तिका में लिखें :–

I. विचारों को अभिव्यक्त करने का माध्यम हैं–

(अ) संकेत (ब) भाषा (स) शब्द (द) ध्वनि

II. पंजाबी भाषा की लिपि कौनसी है–

(अ) फारसी (ब) देवनागरी (स) गुरुमुखी (द) रोमन

III. उपमा वाचक शब्द है–

(अ) ज्यों (ब) जैसे (स) उपर्युक्त सभी (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

IV.'काली घटा का घमण्ड घटा , नभ–मण्डल तारक–वृन्द खिले '। इसमें अंलकार हैं–

(अ) यमक (ब) श्लेष (स) अनुप्रास (द) उपमा

V. Circular शब्द का हिन्दी अर्थ है–

(अ) परिपत्र (ब) अधिपत्र (स) विधिमान्य (द) अन्वेष्ण

VI. Eligibility शब्द का हिन्दी अर्थ है–

(अ) कर्मचारी (ब) पात्रता (स) अपात्र (द) अनुमान

VII . ममता बैठी थी–

(अ) रोहतास दुर्ग के प्रागंण में (ब) रोहतास दुर्ग के प्रकोष्ठ में

(स) रोहतास दुर्ग के बरामदे में (द) रोहतास दुर्ग के बाहर

VIII . उल्टा पिरामिड शैली में लिखित समाचार के भाग कौन–कौन से है।

(अ) इण्ट्रो (ब) बॉडी (स) समापन (द) उपर्युक्त सभी

IX . गंगा और संत्सग सुलभ होते हैं

(अ) धन से (ब) जप–तप से (स) राम कृपा से (द) पूर्वजन्म के पुण्य से

X. इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम के प्रकार कौन–कौन से हैं–

(अ) दृश्य माध्यम (ब) श्रव्य माध्यम (स) दृश्य–श्रव्य माध्यम (द) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 2. नीचे दिये गए बहु विकल्पी प्रश्नों मे सही विकल्प का चयन कर उतर पुस्तिका में लिखें।

I. निम्नलिखित में सें भाषा के चिह्नों को प्रकट करने का माध्यम है–

(अ) ध्वनि (ब) व्याकरण (स) लिपि (द) वाक्य

II. भाषा के रुप होते है–

(अ) तीन (ब) दो (स) एक (द) चार

III निम्न में से अर्थालंकार हैं–

(अ) उपमा (ब) अनुप्रास (स) श्लेष (द) यमक

IV. ' पानी गये न उबरै मोती मानुष चून ' इसमें अंलकार है–

(अ) यमक (ब) उपमा (स) श्लेष (द) अनुप्रास

V. ' प्रास्तावना ' का अंग्रेजी रुपान्तारण कीजिए–
(अ) Auction (ब) Tender (स) union (द) Introduction
VI. 'Scruitng' से आशय है–
(अ) रहस्य (ब) संवीक्षा (स) पर्यवेक्षण (द) गणपूर्ति
VII. शेरशाह ने किस युद्व में हुमायूँ को परास्त किया था–
(अ) मांडव (ब) चौसा (स) हल्दीघाटी (द) खतौली
VIII कोयल ने पावस में मौन धारण किया है–
(अ) बादल के गर्जन के कारण (ब) वर्षा होने के कारण
(स) मेंढकों के बोलने के कारण (द) पक्षियों के शोर के कारण
IX खबर का लिखित रुप है–
(अ) लीड (ब) स्टोरी (स) बाइटं (द) स्क्रिप्ट
X. साक्षात्कार के प्रकार हैं–
(अ) एक (ब) दो (स) तीन (द) चार
प्रश्न 3. नीचे दिये गए बहु विकल्पी प्रश्नों मे सही विकल्प का चयन कर उतर पुस्तिका में लिखें।
I. विभक्तियुक्त शब्द कहलाता है–
(अ) वर्ण (ब) शब्द (स) पद (द) वाक्य
II. हिन्दी किस लिपि में लिखी जाती है–
(अ) रोमन (ब) फारसी (स) गुरुमुखी (द) देवनागरी
III "नंदन वन–सी फूल उठी वही छोटी–सी कुटिया मेरी। " उपर्युक्त पंक्ति में अंलकार हैं–
(अ) रुपक (ब) उपमा (स) अनुप्रास (द) यमक
IV. यमक अलंकार का उदाहरण है–
(अ) पीपर पात सरिस मन डोला (ब) तारा–घट उषा नागरी
(स) तीन बेर खाती थी, वे तीन बेर खाती हैं (द) मनौनीलमनि सेल पर , आतप प्रभात परयौ
V. Schedule शब्द का हिन्दी अर्थ है –
(अ) छानबीन (ब) अनुसूची (स) अनुभाग (द) अनुक्रम
VI. Ceasefire शब्द का हिन्दी अर्थ है –
(अ) युद्ध विराम (ब) परिमंडल (स) परिवर्तन (द) परिसर
VII. तौलिए एकांकी में किसका वर्णन है –
(अ) शिष्टाचार (ब) सफाई (स) सभ्यता (द) सफाई की सनक
VIII गोपियों ने सूखी सरिता कहा है–
(अ) उद्धव के योग सन्देश को (ब) अपने हदयों को
(स) श्रीकृष्ण के व्यवहार को (द) ब्रज्र जीवन को
IX इण्टरनेट जनित गतिविधियों के लिए प्रयुक्त शब्द–
(अ) एंकर (ब) साइबर (स) बाइटं (द) यूनिकोड

X. यात्रा वृतांत 'मारीशस–यात्रा' के लेखक का नाम
(अ) श्रीधर पाठक (ब) उमा नेहरु (स) स्वामी मंगलानन्द (द) निर्मल वर्मा

प्रश्न 4. नीचे दिये गए बहु विकल्पी प्रश्नों मे सही विकल्प का चयन कर उतर पुस्तिका में लिखें।

I. 'देवनागरी लिपि' है–
(अ) खरोष्ठी (ब) ब्राह्मी (स) रोमन (द) फारसी

II. भाषा की सबसे छोटी इकाई है–
(अ) पद (ब) शब्द (स) वर्ण (द) वाक्य

III 'बलिहारी नृप कूप की , गुन बिन बूँद न देइ 'में अंलकार हैं–
(अ) श्लेष (ब) यमक (स) उपमा (द) अनुप्रास

IV. अलंकार की विशेषता है–
(अ) अलंकार काव्य की शोभा बढाते है (ब) काव्या की आत्मा
(स) काव्य का अंतरंग तत्व (द) बिना काव्य असभव

V. Catalogue शब्द का हिन्दी अर्थ है –
(अ) प्रस्ताव (ब) दस्तावेज (स) सूची (द) परिपत्र

VI. Motion शब्द का हिन्दी अर्थ है –
(अ) प्रस्ताव (ब) सूची (स) परिपत्र (द) दस्तावेज

VII. शेखशादी कौन थे?
(अ) इमाम (ब) काजी (स) महाकवि (द) सन्त

VIII 'ठेले पर हिमालय ' शीर्षक है–
(अ) उबाऊ (ब) दिलचस्प (स) विचित्र (द) आकर्षक

IX समाचार पत्र के पृष्ठ का विभागों में विभाजन
(अ) कॉलम (ब) लीड (स) एंकर (द) बॉडी

X इण्ट्रो के बाद खबर का विस्तार
(अ) कॉलम (ब) लीड (स) एंकर (द) स्टोरी

प्रश्न 5. नीचे दिये गए बहु विकल्पी प्रश्नों मे सही विकल्प का चयन कर उतर पुस्तिका में लिखें।

I. भारत की प्राचीन लिपि मानी जाती है–
(अ) रोमन लिपि (ब) ब्राह्मी लिपि (स) अ व ब दोनो (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

II. हिन्दी भाषा के परिवार में बोलियाँ है–
(अ) 15 (ब) 19 (स) 25 (द) 18

III यमक अलंकार का उदाहरण हैं–
(अ) मीठी लगै अखियन लुनाई (ब) तारा–घट उषा नागरी
(स) पीपर पात सीरस मन डोला (द) काली घटा का घमण्ड घटा नभ–मण्डल तारक वृन्द खिलें

IV. शेरशाह ने दुर्ग पर आक्रमण किया –

(अ) कुम्भलगढ दुर्ग (ब) अचलगढ दुर्ग (स) रोहतास दुर्ग (द) चितौड़गढ़ दुर्ग

V. Salary शब्द का हिन्दी अर्थ है –

(अ) वेतन (ब) विनिमय (स) बचाव (द) स्वच्छता

VI. 'आँकड़े 'शब्द का द्योतक है –

(अ) Deed (ब) Debt (स) Deal (द) Data

VII. हँस पानी मिले दूध में से ग्रहण कर लेता है–

(अ) कमल को (ब) मोतियों को (स) दूध को (द) जल को

VIII श्री रामचन्द्र ने हिन्दी की पहली पत्रिका माना है–

(अ) रंगभूमि (ब) नव चित्रपाट (स) नवभारत टाइम्स (द) कैपिटल

IX भारत मे इन्टरनेट पत्रकारिता का प्रारभ्भ माना जाता है

(अ) 1991 (ब) 1992 (स) 1993 (द) 1994

X भाषा की सबसे छोटी इकाई है–

(अ) वर्ण (ब) शब्द (स) पद (द) वाक्य

प्रश्न 6. नीचे दिये गए बहु विकल्पी प्रश्नों मे सही विकल्प का चयन कर उतर पुस्तिका में लिखें।

I. भाषा के चिह्नों को प्रकट करने का माध्यम है–

(अ) ध्वनि (ब) लिपि (स) व्याकरण (द) वाक्य

II. 'भगवान भक्तों की भयंकर भूरि भीति भगाइये।' पंक्ति में कौनसा अलंकार है–

(अ) यमक (ब) श्लेष (स) अनुप्रास (द) उपमा

III " अम्बर–पनघट में डुबो रही, तारा–घट उषा नागरी " पंक्ति में अंलकार है–

(अ) अनुप्रास (ब) उपमा (स) श्लेष (द) IV. रुपक

IV. "यहाँ कौन दुर्ग है यही झोपड़ी न, जो चाहे ले ले, मुझे तो अपना कर्तव्य करना पड़ेगा।" यह किसने कहा ?

(अ) हुमायूँ (ब) चूड़ामणि ने (स) ममता ने (द) शेरशाह ने।

V. Apalogy शब्द का हिन्दी अर्थ है –

(अ) क्षमायाचना (ब) ढुकाया (स) नीलामी (द) हमला

VI. Eligibility शब्द का हिन्दी अर्थ है –

(अ) संप्रतीक (ब) संदिग्ध (स) पात्रता (द) बहिर्मुखी

VII. ' आसा–साँपनी 'की औषधि है–

(अ) माया (ब) सुख (स) सम्पदा (द) सन्तोष

VIII मीडिया की भाषा में खबर को क्या कहते है–

(अ) इन्ट्रो (ब) स्टोरी (स) बॉडी (द) समापन

IX उल्टा पिरामिड शैली में लिखित समाचार के तीन भाग होते है

(अ) इन्ट्रो,बॉडी,समापन (ब) बॉडी,समापन, इन्ट्रो (स) समापन इन्ट्रो,बॉडी,, (द) समापन,बॉडी,इन्ट्रो

X मीडिया की भाषा में खबर को क्या कहा जाता है–
(अ) स्टोरी (ब) टाइटल (स) इन्ट्रो (द) हार्ड न्यूज
प्रश्न 7. नीचे दिये गए बहु विकल्पी प्रश्नों मे सही विकल्प का चयन कर उतर पुस्तिका में लिखें।
I. हिन्दी की प्रथम फिल्मी पत्रिका का नाम है–
(अ) नव चितपट (ब) पंजाब केसरी (स) रंग भूमि (द) नवभारत टाइम्स
II. संत कबीरदास का जन्म कब हुआ –
(अ) 1390 ई. (ब) 1398 ई. (स) 1385 ई. (द) 1405 ई.
III. चौसा का युद्ध हुआ था
(अ) हिन्दु और मुसलमानों के बीच (ब) मुगलों और पठानों के बीच
(स) मुगलों– मुगलों के बीच (द) मुगल और अंग्रेजों के बीच
IV. पिताजी यह अनर्थ है, अर्थ नही" यह कथन किसने कहा है–
(अ) हुमायूँ (ब) चूड़ामणि ने (स) ममता ने (द) शेरशाह ने।
V. Gist शब्द का हिन्दी अर्थ है –
(अ) सार (ब) विराम (स) परचा (द) बाधा
VI. Body शब्द का हिन्दी अर्थ है –
(अ) ठप (ब) निकाय (स) खण्ड (द) जमानत
VII. कबीर भक्ति काल की किस भक्ति धारा के प्रतिनिधि भक्त कवि माने जाते है–
(अ) रामभक्ति धारा (ब) कृष्ण भक्ति (स) ज्ञानाश्रयी निर्गुण धारा (द) प्रेमाश्रयी
VIII जहाँ एक शब्द बार–बार आये, परन्तु अर्थ प्रत्येक बार अर्थ भिन्न हो, वह कौनसा अंलकार है–
(अ) अनुप्रास (ब) उपमा (स) श्लेष (द) IV. यमक
IX उल्टा पिरामिड शैली में लिखित समाचार के कितने भाग होते है
(अ) एक (ब) दो (स) तीन (द) चार
X तुलसीदास द्वारा रचित दोहे किसमें संकलित है–
(अ) दोहावाली में (ब) काव्य में (स) गीत में (द) व्याख्या में
प्रश्न 8. नीचे दिये गए बहु विकल्पी प्रश्नों मे सही विकल्प का चयन कर उतर पुस्तिका में लिखें।
I मौखिक भाषा की विशेषता है–
(अ) स्वाभाविक (ब) वाक्य छोटे–छोटे (स) परिवर्तनशील (द) उपर्युक्त सभी
II. हिन्दी की प्रथम फिल्मी पत्रिका रंगभूमि के संपादक है–
(अ) रामचन्द्र (ब) लेखराम (स) प्रेमचन्द (द) जैनेन्द्र
III. 'कमल समान मृदुल पग तेरे' उपर्युक्त पद में कौनसा अलंकार है–
(अ) अनुप्रास (ब) उपमा (स) श्लेष (द) IV. यमक
IV. पिताजी यह अनर्थ है, अर्थ नही" यह कथन किसने कहा है–

(अ) हुमायूँ (ब) चूड़ामणि ने (स) ममता ने (द) शेरशाह ने।

V. Feedbak शब्द का हिन्दी अर्थ है –

(अ) निष्कर्ष (ब) प्रतिपुष्टि (स) परिसंघ (द) अनुलिपि

VI. Ignorance शब्द का हिन्दी अर्थ है –

(अ) अनभिज्ञता (ब) प्रांसगिक (स) जालसाजी (द) पूर्वानुमान

VII. 'एडवर्ड ड्यूक ऑफ बिण्डसर ' का सम्पूर्ण चरित्र छपा था –

(अ) इंडियन एक्सप्रेस मे (ब) नेशनल हैराल्ड मे (स) टाइम्स ऑफ इंडिया (द) हिन्दुस्तान टाइम्स

VIII मानवीय संवेदनाओं व मानवीय रुचि से जुड़ी खबरें –

(अ) सॉफ्ट न्यूज (ब) हार्ड न्यूज (स) दोनो अ व ब (द) IV. उपर्युक्त में से कोई नहीं

IX रहीम के काव्य की सर्वाधिक प्रमुख विशेषता क्या है–

(अ) सामासिकता (ब) श्रृंगारिकता (स) नीति प्रवणता (द) अनुभव संकुलता

X 'तेरी कुड़माई हो गई ' कथन में निहित भाव है–

(अ) अवसाद (ब) असफलता (स) निश्चल प्रेम (द) वेदना

प्रश्न 9. नीचे दिये गए बहु विकल्पी प्रश्नों मे सही विकल्प का चयन कर उतर पुस्तिका में लिखें।

I. हिन्दी भाषा की लिपि कौनसी है–

(अ) देवनागरी लिपि (ब) रोमन लिपि (स) ब्राह्मी लिपि (द) कोई नहीं

II. मंत्री चूड़ामाणि ने किससे स्वर्ण–मुद्राओं का उत्कोच के रुप में लिया –

(अ) शेरशाह सें (ब)) हुमायूँ से (स) माया सें (द) अकबर सें

III. किसी राष्ट्र के संविधान में मान्य, शासन के कार्यो में प्रयुक्त भाषा को क्या कहतें हैं–

(अ) मात् भाषा (ब) राष्ट्र भाषा (स) मूल भाषा (द) IV. कोई नहीं

IV. समाचार लेखन के लिए कितने प्रकार प्रयुक्त किये जातें है–

(अ) 5 (ब) 6 (स) 7 (द) 2

V. Refer शब्द का हिन्दी अर्थ है –

(अ) विनिमय (ब) पुर्नवास (स) संदर्भ लेखन (द) दूरस्थ

VI. ' मूलनिवासी ' का अंग्रेजी रुपांतारण कीजिए–

(अ) Option (ब) Native (स) Auction (द) Tender

VII. पहले पेज पर छपने वाली खबर को किस नाम से जाना जाता है–

(अ) कवर स्टोरी (ब) हार्ड न्यूज (स) टाइटल (स) इन्ट्रो

VIII बिना बाइट के समाचार को क्या कहा जाता है–

(अ) एंकर विजुअल फॉरमेट (ब) हार्ड न्यूज (स) कवर स्टोरी (द) IV. उपर्युक्त में से कोई नही

IX. –निम्नलिखित में से मराठी भाषा की लिपि है–

(अ) देवनागरी लिपि (ब) फारसी लिपि (स) गुरुमुखी लिपि (द) रोमन लिपि

X. ' यह महिलाओं का अपमान करना है। ' यह किसने कहा –
(अ) ममता ने (ब) पठानों ने (स) चूड़ामाणि (द) हुमायूँ नें
प्रश्न 10. नीचे दिये गए बहु विकल्पी प्रश्नों मे सही विकल्प का चयन कर उतर पुस्तिका में लिखें।
I निम्न में से देवनागरी लिपि का विकास हुआ है–
(अ) खरोष्ठी लपि (ब) द्विभाषीय लिपि (स) ब्राह्मी लिपि (द) कोई नहीं
II. उपमा अंलकार का उदाहरण है–
(अ) चरण कमल बंदौ हरिराई (ब)) तीन बेर खाती थी वे तीन बेर खाती है
(स) कालिंदी कूल कदम्ब की डास (द) कमल समान मुदुल पग तेरे
III . हलधर के प्रिय है सदा केशव और किसान इस पंक्ति मूं निहित अंलकार हैं–
(अ) अनुप्रास (ब) उपमा (स) श्लेष (द) IV. यमक
IV. Glossary शब्द का हिन्दी अर्थ है –
(अ) परिभाषा (ब) कोश (स) शब्द संग्रह (द) उपर्युक्त सभी
V. Native शब्द का हिन्दी अर्थ है –
(अ) जातिप्रमाण–पत्र (ब) भामाशाह कार्ड (स) आधार कार्ड (द) मूल निवास
VI किसने कहा " हे भगवान तब के लिए विपदा के लिए। इतना आयोजन
अ) शेरशाह (ब)) हुमायूँ (स) माया (द) चूड़ामाणिं
VII निम्न में से तुलसीदास की रचना है–
(अ) परिमल (ब) रामचरितमानस (स) बीजक (द) IV. भारत–भारती
VIII निम्न में से संपादकीय लेखन की प्रक्रिया नहीं हैं–
(अ) विषय का चयन (ब) साज–सज्जा (स)) विषय का निष्कर्ष (द) विषय प्रवेश एवं विस्तार
IX इलेक्ट्रोनिक मीडिया माध्यम हैं–
(अ) अखबार (ब) टेलीविजन (स) पत्र–पत्रिकाएँ (द) इनमें से कोई नहीं
X पूर्णकालिक पत्र सम्बन्धित है –
(अ) विज्ञान पत्रकारिता (ब) वाणिज्य पत्रकारिता (स) खेल पत्रकारिता (द) अदालती पत्रकारिता
अतिलघूत्त्रात्मक प्रश्न :–

प्रश्न 2–5 निम्नलिखित अपठित गंद्याश पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –(उत्तर सीमा 10 शब्द)
साहित्य का आधार जीवन है । इसी नींव पर साहित्य की दीवार खड़ी होती है , उसकी अटारियाँ , मीनार और गुंबद बनते हैं , लेकिन बुनियादी मिट्टी के नीचे दबी पड़ी है। उसे देखने का भी जी नहीं चाहेगा। जीवन परमात्मा की सृष्टि है , इसलिए सुबोध है , सुगम है और मर्यादाओं से परिचित है जीवन परमात्मा को अपने कामों का जवाबदेह हैं या नहीं , हमे मालूम नहीं लेकिन साहित्य तो मनुष्य के सामने जवाबदेह है। इसके लिए कानून है , जिनसे

वह इधर–उधर नहीं हो सकता । जीवन का उद्देश्य ही आनंद की ही खोज में लगा रहता है। किसी को वह रत्न द्रव्य में मिलता है , किसी को भरे–पूरे परिवार में , किसी को लंबे –चौड़े भवन में , किसी को ऐश्वर्य में लेकिन साहित्य का आनंद इस आनंद से ऊँचा है , इससे पवित्र है , उसका आधार सुंदर और सत्य से मिलता है। उसी आनंद को दर्शाना , वहीं आनंद उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है। ऐश्वर्य या भोग के आनंद में ग्लानि छिपी होती है। उससे अरुचि भी हो सकती है , पश्चाताप भी हो सकता है पर सुंदर से जो आनंद प्राप्त होता है , व अखंड है , वह अमर है।

प्रश्न–2 साहित्य की दीवार किस पर खड़ी है?

प्रश्न–3 मनुष्य जीवन का उद्देश्य क्या है?

प्रश्न–4 साहित्य और जीवन में रचना क्यों की जाती है?

प्रश्न–5 प्रस्तुत गंद्याश का उचित शीर्षक लिखिए।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :–

प्रश्न 2–5 निम्नलिखित अपठित गंद्याश पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –(उत्तर सीमा 10 शब्द)

कर्तव्य–पालन और सत्यता में बड़ा घनिष्ठ सम्बन्ध हैं जो मनुष्य अपना कर्तव्य–पालन करता है वह अपने कामों और वचनों मे सत्यता का बर्ताव भी रखता है। वह ठीक समय पर उचित रीति से अच्छे कामों को करता है। सत्यता की एक ऐसी वस्तु है जिससे इस संसार में मनुष्य अपने कार्यो में सफलता पा सकता है , इसीलिए हम लोगों को अपने कार्यो मे सत्यता को सबसे ऊँचा स्थान देना उचित है । झूठ की उत्पत्ति पाप, कुटिलता और कायरता के कारण होती है।

बहुत से लोग नीति और आवश्यकता के बहाने झूठ की बात करते है। वे कहते है कि इस समय इस बात को प्रकाशित न करना और दूसरी बात को बनाकर कहना , नीति के अनुसार समयानुकूल और परम आवश्यक है।

झूट बोलना और कई रुपों में दिखाई पड़ता है। जैसे चुप रहना , किसी बात को बढ़ा–चढ़ा कर कहना , किसी बात को छिपाना , भेद बतलाना , झूठ–मूठ दूसरों के साथ हाँ में हाँ मिलाना , प्रतिज्ञा करके उसे पूरा ना करना और सत्य को न बोलना इत्यादि। जबकि ऐसा करना धर्म के विरुद्ध है , तब ये सब बातें झूठ बोलने से किसी प्रकार कम नहीं है।

प्रश्न–2 कौनसे मनुषय कर्तव्य पालन व सत्यता का पालन करते है?

प्रश्न–3 झूठ की उत्पत्ति किन दुर्गुणों से होती है ?

प्रश्न–4 झूठ बोलना किन–किन रुपों में दिखाई देता है?

प्रश्न–5 प्रस्तुत गंद्याश का उचित शीर्षक लिखिए।

अतिलघूत्त्रात्मक प्रश्न :–

प्रश्न 2–5 निम्नलिखित अपठित गंद्याश पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –(उत्तर सीमा 10 शब्द)

हम मनुष्यों का कुछ ना कुछ बनने का स्वप्न होता है। हम अपने स्वप्न को साकार रुप प्रदान करने के लिए उसे अपना आधार और लक्ष्य बना लेते हैं। अपने सपने के आधार पर अपने भविष्य को नींव रखना आरम्भ करते है। हमारा लक्ष्य कुछ भी हो सकता है । हम चिकित्सक , इंजीनियर , राजनेता , अभिनेता , सरकारी कर्मचारी , अध्यापक कुछ भी बनने की सोच सकते है। हमारी शिक्षा का स्तर भी लक्ष्य आधार पर बढ़ने लगता है। शिक्षा एक ऐसा माध्यम है , जो लक्ष्य तक पहुँचने का मार्ग है। मनुष्य के जीवन में बहुमूल्य सपने का साकार करती है । यह मनुष्य के जीवन में बहुमूल्य रत्न के समान है , जो किसी के द्वारा चुराया व मिटाया नहीं जा सकता है। यक्ष द्वारा पूछे गए प्रश्न उत्तर दिया गया 'विद्या '। महाभारत में युधिष्ठिर और यक्ष के इस संवाद से स्पष्ठ हो जाता है कि शिक्षा प्राचीन काल से मनुष्य के जीवन में महत्वपूर्ण रही है।

प्रश्न–2 लक्ष्य तक पहुँचने के लिए मनुष्य की किस मार्ग पर चलना चाहिए।

प्रश्न–3 मनुष्य का आधार व लक्ष्य क्या होता है ?

प्रश्न–4 मनुष्य का लक्ष्य क्या–क्या बनने का होता है?

प्रश्न–5 प्रस्तुत गंद्याश का उचित शीर्षक लिखिए।

अतिलघूत्त्रात्मक प्रश्न :–

प्रश्न 2–5 निम्नलिखित अपठित गंद्याश पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –(उत्तर सीमा 10 शब्द)

प्राचीन काल में भारतीय नारी का स्वरुप समादरणीय रहा है। यहाँ नारी की प्रतिष्ठा अर्द्धांगिनी के रुप में की गई है। यहाँ पहले नारी को लक्ष्मी , सरसवती और दुर्गा का रुप माना जाता था। जिस प्रकार लक्ष्मी धन की , सरसवती विद्या की और दुर्गा शक्ति की अधिष्ठात्री देवी है , उसी प्रकार नारी को तीनों के देवीत्व रुप से मण्डित माना जाता था। परन्तु परवर्ती काल में नारी का गौरव कम होने लगा तथा भोग–विलास की वस्तु माना गया । भारत में विधर्मियों और विदेशियों के आक्रमणों से नारी को पर्दा–प्रथा , बाल–विवाह , बहु–विवाह , जौहर–प्रथा ,

सती–प्रथा आदि के द्वारा उत्पीड़न भोगना पड़ा। मध्यकाल में , विशेषकर मुगलों के आगमन नारी का जीवन शोषण ,उत्पीड़न एवं व्यथा से ग्रस्त बनता गया। परन्तु वर्तमान काल में ज्ञान–विज्ञान और स्त्री–शिक्षा का प्रसार होने से नारी–चेतना शोषण–उत्पीड़न के विरूद्ध जागृत हो गई है। अब पढ़ी–लिखी नारियाँ अपने पैरों पर खड़ी होकर पुरुष के समान सभी कार्यो में दक्षता दिखा रही है। शहरी क्षेत्रों में नारी पर्दा–प्रथा तथा विकृत रूढ़ियों से मुक्त हो गई है , परन्तु ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी सामाजिक कुरीतियाँ प्रचलित हैं। इन कुरीतियों को दूर करने के अनेक उपाय किये जा रहे है। इससे नारी जीवन को समुन्नत बनाकर राष्ट्र के उत्थान में उनकी सहभागिता में वृद्धि की जा रही है।

प्रश्न–2 प्राचीन काल में नारी का कैसा रुप प्रचलित था ?

प्रश्न–3 परवर्ती काल में नारी का जीवन कैसा था ?

प्रश्न–4 वर्तमान में नारी उत्पीड़न के विरूद्ध किस प्रकार जागृत हुई ?

प्रश्न–5 राष्ट्र–उत्थान में किसकी सहभागिता से वृद्धि की जा सकती है ?

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :–

प्रश्न 2–5 निम्नलिखित अपठित गंद्याश पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –(उत्तर सीमा 10 शब्द)

भारत में नवजागरण की शंख–ध्वनि करने वालों में अग्रणी महापुरूष स्वामी विवेकानन्द का व्यक्तित्व अतीव सुन्दर एवं भव्य था । उनका शरीर सबल , सुदृढ़ एवं सतेज था । दृष्टि में बिजली का असर था और मुख पर आत्मतेज का आलोक । कठोर शब्द शायद उनकी वाणी से कभी नहीं निकला। विश्वविख्यात एवं विश्ववन्द्य होते हुए भी उनका स्वभाव अति सरल और अति विनम्र था। उनका पाण्डित्य अगाध था। वे अंग्रेजों के पूर्ण ज्ञाता तथा अपने समय के सर्वश्रेष्ठ वक्ता थे। संस्कृत–साहित्य और भारतीय दर्शन के उद्‌भट विद्वान् थे तथा जर्मन ,ग्रीक ,फ्रेंच आदि विभिन्न भाषाओं पर उनका अधिकार था। वे केवल चार घण्टे सोते थे।प्रातः चार बजे उठकर जप–ध्यान में लग जाते थे। प्राकृतिक दृश्यों के वे बड़े प्रेमी थे। भोर में जप–तप से निवृत्त होकर खुले परिवेश में निकलते थे और प्राकृतिक सुषमा का आनन्द लेते थे। उनकी वाणी में ऐसा प्रभाव था कि उनके भाषण श्रोताओं के ह्रदयों पर पत्थर की लकीर बन जाते थे। कहने का ढंग और भाषा बहुत सरल होती थी , पर उन सीधे–सादे शब्दों में ऐसा आध्यात्मिक भाव होता था कि सुनने वाले तल्लीन हो जाते थे।

स्वामीजी अपने देश के आचार–व्यवहार , रीति–नीति , साहित्य और दर्शन , सामाजिक जीवन , पूर्वकाल के महापुरूषों , इन सबकों श्रद्धा–योग्य और सम्मान मानते थे। उन्होनें एक भाषण में कहा थ कि " प्यारे देशवासियों पुनीत आर्यावर्त में बसने वाले क्या तुम अपनी इस तिरस्करणीय भीरुता से वह अधीनता प्राप्त कर सकोगे जो केवल वीर पुरूषों का अधिकार है? हे भारत–निवासी भाइयों। अच्छी तरह याद रखो कि सीता , सावित्री और दमयन्ती तुम्हारी

जाति की देवियाँ हैं। हे वीर पुरूषों । मर्द बनों और ललकार कर कहों कि मैं भारतीय हूँ , मैं भारत का रहने वाला हूँ। हर –एक भारतवासी चाहे वह कोई भी हो , मेरा भाई है। अनपढ़ भारतीय , निर्धन भारतीय , ऊँची जाति का भारतीय , नीची जाति का भारतीय सब मेरे भाई है। भारत मेरा जीवन , मेरा प्राण है। ”

प्रश्न–2 स्वामी विवेकानन्द का व्यक्तिव कैसा था ? बताइए ।
प्रश्न–3 स्वामी विवेकानन्द किन भाषाओं के ज्ञाता थे ?
प्रश्न–4 स्वामी विवेकानन्द ने अपने भाषण में क्या कहा था ?
प्रश्न–5 स्वामी विवेकानन्द का भारतीय नारी के प्रति क्या भाव थे ?

खंड ब

1. सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर की तरफ से पूरक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र बोर्ड की वेबसाइट से डाउनलोड करने हेतु विज्ञप्ति लिखिए।
2. निदेशक, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, जयपुर राजस्थान की ओर से 'प्रशासन गांवो के संग अभियान' के अंतर्गत दो दिवसीय शिविर की सूचना हेतु विज्ञप्ति लिखिए।
3. कार्यालय निदेशक राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान की ओर से राज्य के माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कम्प्यूटर, सीपीयू, फोटो स्कैनर व लैपटॉप उपलब्ध करवाने हेतु निविदा का प्रारूप लिखिए।
4. अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग, गंगानगर राजस्थान के द्वारा राउमावि केसरीसिंहपुर में 4 कक्षा कक्षों व बाउण्ड्रीवाल निर्माण हेतु निविदा का प्रारूप तैयार कीजिए।
5. कार्यालय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान उदयपुर (राजस्थान) की तरफ से आठवीं बोर्ड परीक्षा हेतु उत्तर पुस्तिका, नक्शे व ग्राफ सप्लाई हेतु निविदा तैयार कीजिए।
6. आयुक्त, निर्वाचन आयोग राजस्थान, जयपुर की ओर से सचिव, कार्मिक विभाग को एक अर्द्धशासकीय पत्र लिखिए जिसमें राज्य कर्मचारियों का चुनाव कार्य में चुनाव कार्य हेतु सहयोग अपेक्षित हो।
7. सचिव, शिक्षा विभाग राजस्थान, जयपुर की ओर से आयुक्त स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को एक अर्द्धशासकीय पत्र लिखिए जिसमें राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों हेतु नेत्र एवं चर्म रोग जांच का आग्रह हो।
8. सचिव निर्वाचन विभाग राजस्थान, जयपुर की ओर से पुलिस महानिरीक्षक राजस्थान जयपुर को एक अर्द्धशासकीय पत्र लिखिए जिसमें राज्य में निकाय चुनाव शांतिपूर्ण व निष्पक्ष तरीके से करवाने का आग्रह हो।
9. शासन सचिव, शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा आयुक्त, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर को एक अर्द्धशासकीय पत्र लिखिए जिसमें गोगामेड़ी मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सहायता हेतु उचित प्रबंध का आग्रह हो।

10. सचिव, निर्वाचन विभाग राजस्थान, जयपुर की ओर से पुलिस महानिरीक्षक राजस्थान जयपुर को एक अर्द्धशासकीय पत्र लिखिए जिसमें राज्य में निकाय चुनाव शांतिपूर्ण व निष्पक्ष तरीके से करवाने का आग्रह हो।
11. सभ्यता की वर्तमान स्थिति में एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से किस प्रकार का भय है?
12. लेखक हिमालय को क्या संदेश भेजना चाहता है?
13. भय किसे कहते हैं?
14. बाजार का जादू की जकड़ से बचने का सीधा सा उपाय क्या है?
15. जकड़ रेशमी डोरी की हो तो रेशम के स्पर्श के मुलायम होने के कारण क्या वह कम जकड़ होगी— इस वाक्य पर अपने विचार लिखिए।
16. तौलिये कहानी में किस विषय को प्रमुखता से उठाया गया है?
17. निर्भयता के संपादन के लिए अपेक्षित दो बातों का परिचय दीजिए।
18. ममता कहानी के आधार पर ममता के व्यक्तित्व की विशेषताएं लिखिए।
19. शुक्ल जी ने सेन की क्या विशेषताएं बताईं।
20. 'ठेले पर हिमालय' अध्याय में संध्या का वर्णन किन शब्दों में किया गया है।
21. बाजार के आमंत्रण की किस खूबी का उल्लेख लेखक ने किया है?
22. पिता द्वारा लाए गए स्वर्ण के लिए ममता ने क्या कहकर मना किया?
23. मधु ने अलग अलग तौलिये रखने के पक्ष में क्या—क्या तर्क दिए?
24. स्त्रियों की भीरूता तो उसकी लज्जा के समान ही रसिकों के मनोरंजन की वस्तु रही है, स्पष्ट कीजिए।
25. बाजार की सार्थकता किस मनुष्य से प्राप्त होती है?
26. बसन्त ने मधु को उसके मामा से जुड़ा क्या वृतान्त सुनाया?
27. ममता ने रोहतास दुर्ग के बाद अपना निवास कहाँ बनाया?
28. चूहा सैदनशाह के लोगों का रक्त परीक्षण करने पर डाक्टरों ने क्या पाया?
29. ठेले पर हिमालय पाठ के आधार पर बताइये कि सेन ने शीर्षासन करने का क्या कारण बताया?
30. अष्टकोणीय मंदिर पर लिखे गये शिलालेख में ममता का नाम क्यों नहीं था?
31. उद्दव—गोपी संवाद को भ्रमरगीत नाम से क्यों जाना जाता है?
32. 'मांगे घटत रहीम पद' दोहे में रहीमजी ने किस कथा की तरफ संकेत किया है?
33. उषा कविता में वर्णित भोर का सौन्दर्य अपने शिब्दों में लिखिए।
34. शिवाजी की सेना के प्रस्थान का वर्णन भूषण कवि ने किस प्रकार किया है?
35. 'इहीं आस भटक्यो रहतु, अलि गुलाब के मूल' दोहे में कवि क्या संदेश देना चाहता है?
36. 'बिनु गोपाल वैरिन भई कुंजै' पद में गोपियां उद्दव के सामने किस प्रकार अपना दुःख प्रकट कर रही हैं?
37. 'अजौं तर्‌यौना हीं रह्‌यो' दोहे में वर्णित संदेश को व्यक्त कीजिए।

38. उषा कविता में कवि ने किन रंगो का वर्णन किया है?
39. रहीम ने सज्जन व्यक्ति के रूठ जाने पर भी बार–बार मनाने की बात क्यों कही है?
40. भूषण कवि ने शिवाजी का ही जीवन सफल क्यों बताया है?
41. उषा कविता में कवि ने भोर के नभ को शंख जैसा नीला क्यों बताया है?
42. 'कहि रहीम पर काज हित, संपति संचहि सुजान' दोहे में रहीम ने उदाहरण रूप में किनका उल्लेख किया है और कैसे?
43. शिवाजी के क्रोधित होने पर औरंगजेब व सिपाहियों की क्या दशा हुई?
44. उषा कविता में कवि ने सूर्योदय से पूर्व के दृश्य के लिए किन–किन उपमानों का प्रयोग किया है?
45. गोपियाँ कृष्ण की मुरली क्यों छिपा लेती हैं?
46. रहीम ने उत्तम प्रकृति के मनुष्य की क्या विशेषता बताई है?
47. 'निर्गुण कौन देस को बासी' कह कर गोपियों ने निर्गुण ब्रह्म के बारे में उद्धव से क्या क्या प्रश्न किये?
48. 'सोहत ओढे पीत पर, स्याम सलोने गात' दोहे का अर्थ अपने शब्दों में लिखिए।
49. भूषण ने अपने छंदो में शिवाजी के किन गुणों का वर्णन किया है?
50. 'वह मथुरा काजर की कोठरि' गोपियों ने मथुरा को काजल की कोठरी क्यों बताया है?
51. 'आह मेरा गोपालक देश' कथन में निहित मानवीय संवेदना को व्यक्त कीजिए।
52. 'रामदेव सिद्व योगी भी थे और वैद्यकीय चिकित्सक भी' इस कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए।
53. गांधी जी ने सभ्य बनने के लिए क्या क्या प्रयास किए?
54. 'यह मेरी शिक्षा है तुम्हारे आगे आँचल पसारती हूँ' यह वाक्य किसने किससे व कब कहे?
55. जिसकी स्मृति मात्र से ही मन सिहर उठता है। वह वेदनामयी स्मृति क्या थी?
56. जम्मा जागरण आन्दोलन के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।
57. 'बलवान से भिड़न्त' पाठांश में क्या संदेश दिया गया है?
58. उसने कहा था कहानी का मूल प्रतिपाद्य क्या है?
59. 'आत्मिक शिक्षा' अंश से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?
60. 'अब हमारे घर में दुग्ध महोत्सव प्रारंभ हुआ' कथन में वर्णित दुग्ध महोत्सव के अवसर का चित्रण कीजिए।
61. लहना सिंह के चरित्र की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
62. सूरजमल की राष्ट्रीय भावना से संबंधित किसी एक घटना का वर्णन कीजिए।
63. संत जम्भेश्वर जी के धर्म स्थापना व प्रकृति के सहजीवन हेतु योगदान का उल्लेख कीजिए।

64. मुझे कष्ट व आश्चर्य दोनो की अनुभूति हुई। लेखिका को कष्ट व आश्चर्य क्यों हुआ?
65. वजीरा ने कुछ समझ कर कहा– हाँ। वजीरा ने क्या समझकर हाँ कहा?
66. स्पष्ट कीजिए की महादेवी का 'गौरा' एक श्रेष्ठ रेखाचित्र है?
67. मानगढ का विशाल पहाड़ किस दिव्य बलिदान का साक्षी है?
68. 'सत्य के प्रयोग' आत्मकथा गांधी जी की किन विशेषताओं को प्रकट करती है?
69. ग्रियर्सन ने फीनिक्स के रसोईघर में क्या बदलाव किये?
70. 'उसे सन्देह नहीं रहा था' लहनासिंह को किस बात का सन्देह नहीं रहा था और उसने सन्देह कैसे दूर किया?
71. प्रतियोगितात्मक साक्षात्कार व माध्यमोपयोगी साक्षात्कार में क्या अंतर है?
72. क्लिपिंग या बाइट किसे कहते हैं?
73. विज्ञान संबंधी समाचारों की श्रेणी में किस प्रकार के समाचारों को रखा जाता है?
74. अदालती पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं?
75. रिपोर्ट व रिपोर्ताज में क्या अंतर है?
76. डायरी साहित्य को कितने भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है?
77. खेल पत्रकारिता के लिए किन गुणों का होना आवश्यक है?
78. व्यक्तिपरक फीचर से क्या आशय है?
79. संपादकीय लेखन की प्रक्रिया को क्रम से समझाइए।
80. उल्टा पिरामिड शैली की विशेषताएं लिखिए।

खण्ड–स

1. समाचार–लेखन के लिए छह ककार क्या हैं? और वे क्यों आवश्यक हैं? (उत्तर सीमा 60 शब्द)

   अथवा

   फिल्म में पटकथा क्या होती है?
2. अखबार और टीवी समाचार–लेखन में क्या अन्तर है?

   अथवा

   समाचार लेखन में इण्ट्रो किसे कहते है? बताइये।
3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग तीन सौ शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए

   (अ)कोरोना–काल में स्थापित नवीन जीवन मूल्य।

   (ब) योग एवं स्वास्थ्य।

(स) बेटी बचाओ बेटी पढाओ।

(द)राष्ट्र निर्माण में युवा पीढ़ी की भूमिका।

4. जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए।(उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

कवि भूषण के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए।

5. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः (उत्तर सीमा 80 शब्द)

इस प्रकार अपने ज्ञान बल, हृदय बल और शरीर बल की वृद्धि के साथ वह दुःख की छाया मानो हटाता चलता है। समस्त मनुष्य जाति की सभ्यता के विकास का यही क्रम रहा है। भूतों का भय तो अब बहुत कुछ छूट गया है, पशुओं की बाधा भी मनुष्य के लिए प्रायः नहीं रह गयी है, पर मनुष्य के लिए मनुष्य का भय बना हुआ है। इस भय के छूटने के लक्षण भी नहीं दिखाई देते। अब मनुष्यों के दुःख का कारण मनुष्य ही है। सभ्यता से अन्तर केवल इतना ही पड़ा है कि दुःख–दान की विधियाँ बहुत गूढ़ और जटिल हो गई है।

अथवा

बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह का काम करता है। वह रूप का जादू है पर जैसे चुम्बक का जादू लोहे पर ही चलता है वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालात में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जायेगा। मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमन्त्रण उस तक पहुँच जायेगा। कहीं उस वक्त जेब भरी हुई तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है! मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ। सभी सामान जरूरी और आराम को बढाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है।

6. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः (उत्तर सीमा 80 शब्द)

जाति न पूछो साधु की, पूछि लीजिए ज्ञान।
मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान।।

अथवा

तुलसी या संसार में, भाँति भाँति के लोग।
सब सौं हिल–मिल चालिए, नदी–नाव संयोग।।

1. वर्तमान समय में लेखन अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त और सर्वव्यापी माध्यम क्या है एवं क्यो हैं? (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

रेडियो के लिए समाचार लेखन में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

2. टीवी समाचारों की विशेषताएं सक्षेप में लिखिए।(उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

टीवी समाचारों के गुण बताइये।

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग तीन सौ शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए।

(अ)मानवता के लिए चुनौती –कन्या–भ्रूण–हत्या।

(ब) बालिका शिक्षा

(स) मेरे प्रिय कवि

(द)इन्टरनेटः सूचना एवं ज्ञान का भण्डार

4. तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए।

5. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः (उत्तर सीमा 80 शब्द)

मुझे तो मनुष्य के हाथ से बने हुए कामों में उनकी प्रेममयी पवित्र आत्मा की सुगन्ध आती है। राफेल आदि के चित्रित चित्रों में उनकी कला की कुशलता को देख, इतनी सदियों के बाद भी उनके अन्तःकरण के सारे भावों का अनुभव होने लगता है। केवल चित्र का ही दर्शन नहीं, किन्तु साथ ही उसमें छिपी चित्रकार की आत्मा तक के दर्शन हो जाते हैं। परन्तु यन्त्रों की सहायता से बने फोटो निर्जीव से प्रतीत होते है। उनमें और हाथ के चित्रों में उतना ही भेद है जितना की बस्ती और श्मशान में।

अथवा

प्रजातंत्रवाद चाहता है कि न केवल पाँच वर्ष की समाप्ति पर सरकार का निषेध किया जा सके, बल्कि ऐसी भी व्यवस्था होनी चाहिए कि सरकार के विरूद्ध किसी भी समय और तुरन्त निषेधात्मक कार्रवाही की जा सके। अब यदि आपको मेरे कहने का आशय स्पष्ट हो तो प्रजातन्त्र का मतलब है कि किसी भी आदमी को सदैव शासन करते रहने का अधिकारी नहीं। यह शासन करने का अधिकार लोगों की स्वेच्छा पर निर्भर करता है। उस अधिकार को लोकसभा भवन में चैलेंज किया जा सकता है।

6. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः (उत्तर सीमा 80 शब्द)

निर्गुन कौन देस को बासी?
मधुकर! हँसि समुझाय, सौंह दै बूझति साँच, न हाँसी।।
को है जनक, जननि को कहियत, कौन नारि, को दासी?

कैसो बरन, भेस है कैसो, केहि रस में अभिलासी।।
पावैगो पुनि कियो आपनो जो रे! कहैगो गाँसी।
सुनत मौन ह्वै रह्यो ठग्यो सो सूर सबै मति नासी।।

अथवा

कदली,सीप,भुजंग–मुख, स्वाति एक गुन तीन।
जैसी संगति बैठिए, तैसोई फल दीन।।

1. व्यक्तिगत डायरी तथा वास्तविक डायरी का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

   अथवा

   संदर्भ ग्रंथ किसे कहते हैं तथा इसका महत्त्व क्या है? बताइये।
2. साहित्य में डायरी लेखन का क्या महत्व है? डायरी प्रकाशन की प्रमुख पत्रिकाओं के नाम लिखिए।

   अथवा

   डायरी साहित्य का वर्गीकरण कर इसके शैली–शिल्प पर प्रकाश डालिए।
3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग तीन सौ शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए।
   (अ)नदी जल स्वच्छता अभियान।
   (ब) शिक्षित नारीः सुख–स्मृद्धिकारी।
   (स) पर्यावरण प्रदूषण।
   (द)भ्रष्टाचार का महादानव।
4. कवि हरिवंश राय बच्चन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

   अथवा

   लेखक जैनेन्द्र कुमार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए।
5. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः (उत्तर सीमा 80 शब्द)

   किसी आती हुई आपदा की भावना या दुःख के कारण के साक्षात्कार से जो एक प्रकार का आवेगपूर्ण अथवा स्तम्भकारक मनोविकार होता है उसी को भय कहते हैं। क्रोध दुःख के कारण पर प्रभाव डालने के लिए आकुल करता है और भय उसकी पहुँच से बाहर होने के लिए। क्रोध दुःख के कारण के स्वरूप–बोध के बिना नहीं होता। यदि दुःख का कारण चेतन होगा और यह समझा जायेगा कि उसने जान–बूझकर दुःख पहुँचाया है, तभी क्रोध होगा।

अथवा

सचाई यह है भाईजान कि जमाना बहुत खराब है। जिस गधे को नमक दो, वही कहता है कि मेरी आँख फोड़ दी। हम जा रहे थे अपने काम, तुम्हें दूर से देखा सुस्त, रास्ता काटकर इधर आये कि देखे तो माजरा क्या है, और मामला कुछ गड़बड़ हो, तो कुछ मदद करें, पर तुम्हारे तेवर कुछ ऐसे बदले हुए है कि जैसे हम सुबह–सुबह चार रूपये उधार माँगने आ गए हों और पहले इसी तरह हाथ उधार उठाये रूपये हमने अभी तक वापिस न किये हों। बहुत अच्छे रहें।

6. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (उत्तर सीमा 80 शब्द)

मान सहित विष खाय के, संभु भये जगदीस।
बिना मान अमृत पिये, राहु कटायो सीस।।

अथवा

या अनुरागी चित्त की, गति समुझे नहिं कोय।
ज्यों–ज्यों बूड़ै स्याम रंग, त्यों–त्यों उज्ज्वलु होय।।

खण्ड–द

1. यात्रा की विशेषताओं के संदर्भ में मोहन राकेश के विचारों को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

यात्रावृत–लेखन के विकास में राहुल सांस्कृत्यायन का योगदान अप्रितम है, समझाइए।

2. रिपोर्ताज क्या है? रिपोर्ताज की विशेषताएँ बताइए।

अथवा

रिपोर्ताज के रचनातत्व बताइए।

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग तीन सौ शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए।

(अ) बेरोजगारी एक समस्या।
(ब) राजस्थान के प्रसिद्ध मेले।
(स) राजस्थान में लोक देवताओं का महत्व।
(द) मेरी प्रिय पुस्तक।

4. कवि सूरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

लेखक धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए।

5. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः (उत्तर सीमा 80 शब्द)

धर्म से डरने वालों की अपेक्षा धर्म की ओर आकर्षित होने वाले हमें अधिक धन्य जान पड़ते है। जो किसी बुराई से यही समझ कर पिछे हटते हैं कि उसके करने से अधर्म होगा, उसकी अपेक्षा वे कहीं श्रेष्ठ हैं जिन्हें बुराई अच्छी ही नहीं लगती है। दुःख या आपत्ति का पूर्ण निश्चय न रहने पर उसकी सम्भावना–मात्र के अनुमान से जो आवेग–शून्य भय होता है, उसे आशंका कहते है। इसमें वैसी आकुलता नहीं होती। उसका संचार कुछ धीमा पर अधिक काल तक रहता है।

अथवा

जिस प्रकार सुखी होने का प्रत्येक प्राणी को अधिकार है, उसी प्रकार मुक्तातंक होने का भी। पर कर्म क्षेत्र के चक्रव्यूह में पड़कर जिस प्रकार सुखी होना प्रयत्न–साध्य होता है उसी प्रकार निर्भय रहना भी। निर्भयता के सम्पादन के लिए दो बातें अपेक्षित होती हैं– पहली तो यह कि दूसरों से हमसे किसी प्रकार का भय या कष्ट न हो, दूसरी यह कि दूसरे हमको कष्ट या भय पहुँचाने का साहस न कर सके। इनमें से एक का सम्बन्ध उत्कृष्ट शील से है और दूसरी का शक्ति और पुरूषार्थ से ।

6. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः (उत्तर सीमा 80 शब्द)

गरूड़ को दावा जैसे नाग के समुह पर,
दावा नागजूह पर सिंह सिरताज को।
दावा पुरहूत को पहारन के कुल पर,
दावा सबै पच्छिन के गोल पर बाज को।।
भूषण अखण्ड नवखण्ड महिमण्डल में,
तम पर दावा रवि–किरण–समाज को।
पूरब पछाँव देस दच्छिन तें उत्तर लौं,
जहाँ पातसाही तहाँ दावा सिवराज को।।

अथवा

मैं रोया, इसको तुम कहते हो गाना,
मैं फूट पड़ा, तुम कहते, छंद बनाना;
क्यो कवि कहकर संसार मुझे अपनाए,
मैं दुनिया का हूँ, एक नया दीवाना!
मैं दीवानों का वेश किए फिरता हूँ,
मैं मादकता निःशेष लिए फिरता हूँ,
जिसको सुनकर जग झूम उठे, लहराए,

मैं मस्ती का संदेश लिए फिरता हूँ!

1. रिपोर्ट और रिपोर्ताज में क्या अन्तर है। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

रिर्पोताज एवं यात्रावृतांत के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

2. यदि आप को पत्रकार बनना पड़े तो आप किस प्रकार की पत्रकारिता करना चाहेंगें और क्यों? (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

पत्रकारिता के कौन–कौनसे क्षेत्र है? किसी एक को समझाइए।

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग तीन सौ शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए।

(अ)रंग बिरगां राजस्थान।

(ब) शिक्षा का अधिकारी।

(स) संचार क्रांति और समाज।

(द)राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता।

4. कवि हरिवंश राय बच्चन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

कुँवरनारायण के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए।

5. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः (उत्तर सीमा 80 शब्द)

हाथ की मेहनत से चीज में जो रस भर जाता है, वह भला लोहे के द्वारा बनायी गयी चीज में कहाँ! आलू को मैं स्वयं बोता हूँ, जिसके इर्द–गिर्द की घास–पात खोदकर मैं साफ करता हूँ, उस आलू में जो रस मुझे आता है, वह टीन में बन्द किए हुए अचार–मुरब्बें में नहीं आता । मेरा विश्वास है कि जिस चीज में मनुष्य के प्यारे हाथ लगते है, उसमें उसके हृदय का प्रेम और मन की पवित्रता सुक्ष्म रूप में मिल जाती है और उसमें मुर्दे को जिन्दा करने की शक्ति आ जाती है।

अथवा

मजदूरी तो मनुष्य के समष्टि–रूप का व्यष्टि–रूप का परिणाम है, आत्मा रूपी धातु के गड़े हुए सिक्के का नकदी बयाना है, जो मनुष्यों की आत्माओं को खरीदने के वास्ते दिया जाता हैं। सच्ची मित्रता ही तो सेवा है। उसमें मनुष्यों के हृदय पर सच्चा राज्य हो सकता है। जाति–पाति, रूप–रंग और नाम–धाम तथा बाप–दादे का नाम पूछे बिना ही अपने–आपको किसी के हवाले कर देना प्रेम–धर्म का तत्त्व

है। जिस समाज में इस तरह के प्रेम–धर्म का राज्य होता है उसका हर कोई हर किसी को बिना उसका नाम–धाम पूछे ही पहचानता है।

6. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:(उत्तर सीमा 80 शब्द)

बड़े बड़ाई ना करैं, बड़ो न बोलैं बोल।
रहिमन हीरा कब कहै, लाख टका मेरो मोल।।

अथवा

मान सहित विष खाय के संभु भये जगदीस।
बिना मान अमृत पिये, राहु कटायो सीस।।

1. रेडियो के लिए समाचार–लेखन में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

टीवी समाचारों की विशेषताएँ संक्षेप में दीजिए।

2. सम्पादकीय क्या है? (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

सम्पादक के नाम पत्र लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में सारगर्भित निंबध लिखिए।

(अ) राजस्थान के पर्यटन स्थल
(ब) कोरोना काल में स्थापित नवीन जीवन मूल्य
(स) बेटी बचाओ बेटी पढाओ
(द) स्वास्थ्य ही श्रेष्ठ धन है।

4. जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

सूरदास जी का जीवन परिचय लिखिए।

5. निम्नलिखित गद्याशों में से किसी एक गद्यांश की संप्रसग व्याख्या कीजिए (उत्तर सीमा 80 शब्द)

तो हम पशु हैं आपकी राय में? वाह साहब, आप हमें पशु बता रहे हैं, पर भाई, यह तो बताओ कि तुम्हें हमारी पूँछ और सींग किधर दिखाई देते हैं? पूँछ और सींग! पशु बनने के लिए पूँछ और सींग की जरूरत नहीं पड़ती। बात यह है कि पशुता और मनुष्यता दो भाव हैं। जो पहले सोचे और फिर चले, वह मनुष्य और सोचे कुछ नहीं, बस जिधर हवा ले जाए, चला चले वह पशु–अब आई तुम्हारी समझ में मेरी बात?

अथवा

मतलब यह कि अपने बारे में सबसे पहले जो बात सोचने की है, वह यह कि मेरा यह अधिकार है कि मैं अच्छे काम करूँ, अपने जीवन को ऊँचा उठाऊँ, पर मेरा कर्तव्य यह भी है कि जो किसी कारण से अच्छे काम नहीं कर रहे हैं, या साफ शब्दों में गिरे हुए हैं, उन्हें अपने कामों से ऊँचे उठने की प्रेरणा देते हुए भी, उन पर अपने अहंकार का बोझ न लादूँ, क्योकि अहंकार घृणा का पिता है और घृणा जीवन की सम्पूर्ण ऊँचाइयों की दुश्मन है।

6. निम्नलिखित पद्याशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर सीमा 80 शब्द)

बिन गोपाल बैरिन भई कुंजैं।
तब ये लता लगति अति सीतल, अब भई विषम ज्वाल की पुंजैं।।
बृथा बहति जमुना, खग बोलत, बृथा कमल फूलैं अलि गुंजैं।
पवन, पानि, घनसार, संजीवनि दधिसुत किरन भानु भई भुंजैं।।
ए, ऊधो, कहियो माधव सों, बिरह कदन करि मारत लुंजैं।
सूरदास प्रभु को मग जोवत, अँखियाँ भई बरन ज्यौं गुंजैं।।

अथवा

रहिमन देखि बड़ेन को , लघु न दीजिए डारि,
जहाँ काम आवे सुई , कहा करे तलवारि।।

1. साक्षात्कार कितने प्रकार के होते है? उन पर प्रकाश डालिए।

   अथवा

   किसी साक्षात्कार को लिखने के बाद व प्रकाशन से पूर्व कौन से कार्य करने चाहिए?

2. खेल पत्रकारिता पर एक टिप्पणी लिखिए।

   अथवा

   पत्रकारिता के कौन–कौनसे क्षेत्र है? किसी एक को समझाइए।

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में सारगर्भित निंबध लिखिए।

   (अ) मोबाइल फोन वरदान या अभिशाप।
   (ब) जल संरक्षण हमारा दायित्व।
   (स) नारी सशक्तिकरण
   (द) कटते जंगल : घटता मंगल

4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

लेखक जैनेन्द्र कुमार जी का जीवन परिचय लिखिए।

5. निम्नलिखित गद्याशों में से किसी एक गद्यांश की संप्रसग व्याख्या कीजिए (उत्तर सीमा 80 शब्द)

ऐसे ही मूक जीवन से मेरा भी कल्याण होगा। विद्या को भूल जाऊँ तो अच्छा है। मेरी पुस्तकें
खो जाये तो उत्तम है। ऐसा होने से कदाचित् इस वनवासी परिवार की तरह मेरे दिल के नेत्र खुल
जायें और मैं ईश्वरीय झलक देख सकूं। चन्द्र और सूर्य की विस्तृत ज्योति में जो वेदगान हो रहा है
उसे इस गड़रिये की कन्याओं की तरह सुन सकूँ, परन्तु कदाचित् प्रत्यक्ष देख सकूँ। कहते हैं,
ऋषियों ने भी इनको देखा ही था, सुना न था। पंडितों की ऊटपटांग बातों से मेरा जी उकता गया
है। प्रकृति की मन्द–मन्द हँसी में ये अनपढ़ लोग ईश्वर के हँसते हुए होठ देख रहे है।

अथवा

आपने चार आने पैसे मजदूर के हाथ में रखकर कहा, 'यह लो दिन भर की अपनी मजदूरी।'
वाह क्या दिल्लगी है! हाथ, पाँव, सिर, आखें इत्यादि सब के सब अवयव उसने आपको अर्पण कर
दिये। ये सब चीजे उसकी तो थी ही नहीं, ये तो ईश्वरीय पदार्थ है। जो पैसे आपने उसको दिए वे
भी आपके न थे। वे तो पृथ्वी से निकली हुई धातु के टुकड़े थे, अतएव ईश्वर के निर्मित थे।
मजदूरी का ऋण तो परस्पर की प्रेमसेवा का चुकता होता है, अन्न धन्न देने से नहीं।

6. निम्नलिखित पद्याशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर सीमा 80 शब्द)

संगत कीजै साधु की, कभी न निष्फल होय।
लोहा पास परस ते, सो भी कंचन होय।।

अथवा

तुलसी या संसार में भाँति–भाँति के लोग।

सब सौं हिल–मिल चालिए, नदी–नाव संयोग।।

1. फीचर एवं लेख में अन्तर स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

सम्पादकीय लेखन में कितने भाग होते है लिखिए।

2. फीचर संरचना के प्रमुख उद्देश्य कौन–कौनसे है बताइए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

प्रतिक्रिया लेखन क्या है इसकी अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में सारगर्भित निंबध लिखिए।

(अ) राजस्थान के प्रसिद्ध मेले।

(ब) घटती सामाजिकता : बढते संचार साधन।

(स) विद्यार्थियों का राष्ट्र–निर्माण में योगदान।

(द) राष्ट्र–निर्माण में युवा पीढ़ी की भूमिका।

4. कवि भूषण के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर का जीवन परिचय लिखिए।

5. निम्नलिखित गद्याशों में से किसी एक गद्यांश की संप्रसग व्याख्या कीजिए (उत्तर सीमा 80 शब्द)

इस प्रकार अपने ज्ञान बल, हृदय बल और शरीर बल की वृद्धि के साथ वह दुःख की छाया मानो हटाता चलता है। समस्त मनुष्य जाति के सभ्यता के विकास का यही क्रम रहा है भूतों का भय तो अब बहुत कुछ छूट गया है, पशुओं की बाधा भी मनुष्य के लिए प्रायः नहीं रह गई है; पर मनुष्य के लिए मनुष्य का भय बना हुआ है। इस भय के छूटने के लक्षण भी नहीं दिखाई देते। अब मनुष्यों के दुःख का कारण मनुष्य ही है। सभ्यता से अन्तर केवल उतना ही पड़ा कि दुःख–दान की विधियाँ बहुत गूढ़ और जटिल हो गई।

अथवा

मतलब यह कि अपने बारे में सबसे पहले जो बात सोचने की है, वह यह कि मेरा यह अधिकार है कि मैं अच्छे काम करूँ, अपने जीवन को ऊँचा उठाऊँ, पर मेरा कर्तव्य यह भी है कि जो किसी कारण से अच्छे काम नहीं कर रहे हैं, या साफ शब्दों में गिरे हुए हैं, उन्हें अपने कामों से ऊँचे उठने की प्रेरणा देते हुए भी, उन पर अपने अहंकार

का बोझ न लादूँ, क्योकि अहंकार घृणा का पिता है और घृणा जीवन की सम्पूर्ण ऊँचाइयों की दुश्मन है।

6. निम्नलिखित पद्याशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर सीमा 80 शब्द)

बिन गोपाल बैरिन भई कुंजैं।
तब ये लता लगति अति सीतल, अब भई विषम ज्वाल की पुंजैं।।
बृथा बहति जमुना, खग बोलत, बृथा कमल फूलैं अलि गुंजैं।
पवन, पानि, घनसार, संजीवनि दधिसुत किरन भानु भई भुंजैं।।
ए, ऊधो, कहियो माधव सों, बिरह कदन करि मारत लुंजैं।
सूरदास प्रभु को मग जोवत, अँखियाँ भई बरन ज्यौं गुंजैं।।

अथवा

रहिमन देखि बड़ेन को , लघु न दीजिए डारि,
जहाँ काम आवे सुई , कहा करे तलवारि।।

1. यात्रा की विशेषताओं के संदर्भ में मोहन राकेश के विचारों को स्पष्ट कीजिए (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

रिपोर्ताज क्या है? रिपोर्ताज की विशेषताएँ बताइए।

2. व्यक्तिगत डायरी तथा वास्तविक डायरी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।(उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

साहित्य में डायरी लेखन का क्या महत्व है? डायरी प्रकाशन की प्रमुख पत्रिकाओं के नाम लिखिए।

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में सारगर्भित निंबध लिखिए।

(अ) कैशलेस अर्थव्यवस्थाः चुनौतीपूर्ण सकारात्मक कदम
(ब) प्लास्टिक कैरी बैग्स : असाध्य रोगवर्धक ।
(स) बेटी बचाओ बेटी पढाओ
(द) स्वास्थ्य ही श्रेष्ठ धन है।

4. जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

सूरदास जी का जीवन परिचय लिखिए।

5. निम्नलिखित गद्याशों में से किसी एक गद्यांश की संप्रसग व्याख्या कीजिए (उत्तर सीमा 80 शब्द)

तो हम पशु हैं आपकी राय में? वाह साहब, आप हमें पशु बता रहे हैं, पर भाई, यह तो बताओ कि तुम्हें हमारी पूँछ और सींग किधर दिखाई देते हैं? पूँछ और सींग! पशु बनने के लिए पूँछ और सींग की जरूरत नहीं पड़ती। बात यह है कि पशुता और मनुष्यता दो भाव हैं। जो पहले सोचे और फिर चले, वह मनुष्य और सोचे कुछ नहीं, बस जिधर हवा ले जाए, चला चले वह पशु–अब आई तुम्हारी समझ में मेरी बात?

अथवा

मतलब यह कि अपने बारे में सबसे पहले जो बात सोचने की है, वह यह कि मेरा यह अधिकार है कि मैं अच्छे काम करूँ, अपने जीवन को ऊँचा उठाऊँ, पर मेरा कर्तव्य यह भी है कि जो किसी कारण से अच्छे काम नहीं कर रहे हैं, या साफ शब्दों में गिरे हुए हैं, उन्हें अपने कामों से ऊँचे उठने की प्रेरणा देते हुए भी, उन पर अपने अहंकार का बोझ न लादूँ, क्योकि अहंकार घृणा का पिता है और घृणा जीवन की सम्पूर्ण ऊँचाइयों की दुश्मन है।

6. निम्नलिखित पद्याशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर सीमा 80 शब्द)

बिन गोपाल बैरिन भई कुंजैं।
तब ये लता लगति अति सीतल, अब भई विषम ज्वाल की पुंजैं।।
बृथा बहति जमुना, खग बोलत, बृथा कमल फूलैं अलि गुंजैं।
पवन, पानि, घनसार, संजीवनि दधिसुत किरन भानु भई भुंजैं।।
ए, ऊधो, कहियो माधव सों, बिरह कदन करि मारत लुंजैं।
सूरदास प्रभु को मग जोवत, अँखियाँ भई बरन ज्यौं गुंजैं।।

अथवा

रहिमन देखि बड़ेन को , लघु न दीजिए डारि,
जहाँ काम आवे सुई , कहा करे तलवारि।।

1. व्यक्तिगत डायरी तथा वास्तविक डायरी का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

संदर्भ ग्रंथ किसे कहते हैं तथा इसका महत्त्व क्या है? बताइये।

2. साहित्य में डायरी लेखन का क्या महत्व है? डायरी प्रकाशन की प्रमुख पत्रिकाओं के नाम लिखिए।

अथवा

डायरी साहित्य का वर्गीकरण कर इसके शैली–शिल्प पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग तीन सौ शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए।
(अ)नदी जल स्वच्छता अभियान।
(ब) शिक्षित नारीः सुख–स्मृद्धिकारी।
(स) पर्यावरण प्रदूषण।
(द)भ्रष्टाचार का महादानव।
4. कवि हरिवंश राय बच्चन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

अथवा

लेखक जैनेन्द्र कुमार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए।

5. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः (उत्तर सीमा 80 शब्द)

किसी आती हुई आपदा की भावना या दुःख के कारण के साक्षात्कार से जो एक प्रकार का आवेगपूर्ण अथवा स्तम्भकारक मनोविकार होता है उसी को भय कहते हैं। क्रोध दुःख के कारण पर प्रभाव डालने के लिए आकुल करता है और भय उसकी पहुँच से बाहर होने के लिए। क्रोध दुःख के कारण के स्वरूप–बोध के बिना नहीं होता। यदि दुःख का कारण चेतन होगा और यह समझा जायेगा कि उसने जान–बूझकर दुःख पहुँचाया है, तभी क्रोध होगा।

अथवा

सचाई यह है भाईजान कि जमाना बहुत खराब है। जिस गधे को नमक दो, वही कहता है कि मेरी आँख फोड़ दी। हम जा रहे थे अपने काम, तुम्हें दूर से देखा सुस्त, रास्ता काटकर इधर आये कि देखे तो माजरा क्या है, और मामला कुछ गड़बड़ हो, तो कुछ मदद करें, पर तुम्हारे तेवर कुछ ऐसे बदले हुए है कि जैसे हम सुबह–सुबह चार रूपये उधार माँगने आ गए हों और पहले इसी तरह हाथ उधार उठाये रूपये हमने अभी तक वापिस न किये हों। बहुत अच्छे रहें।

6. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः (उत्तर सीमा 80 शब्द)

मान सहित विष खाय के, संभु भये जगदीस।
बिना मान अमृत पिये, राहु कटायो सीस।।

अथवा

या अनुरागी चित्त की, गति समुझे नहिं कोय।
ज्यों–ज्यों बूड़ै स्याम रंग, त्यों–त्यों उज्ज्वलु होय।।

1 " प्रेमाभक्ति की अमृत धारा, सूरदास के पदों में निर्बाध प्रवाहित हुई है।" 'भ्रमरगीत' पठितांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

2 ''सूरदास ने ज्ञान और योग पर प्रेम और भक्ति की श्रेष्ठता प्रतिपादित की है।'' उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

3 ''रहीम के नीतिगत दोहे आज भी प्रासंगिक है।'' संकलित दोहों के आधार पर प्रमाणित कीजिए।

4 पठित दोहों के आधार पर कवि रहीम की व्यवहारकुशलता एवं लोकानुभव पर प्रकाश डालिए।

5 बिहारी के पठित दोहों के आधार पर उनकी नीति एवं भक्ति को समझाइए।

6 ''बिहारी ने अपने काव्य में गागर में सागर भर दिया है।'' इस कथन पर प्रकाश डालिए।

7 पठित अंश के आधार पर सिद्ध कीजिए कि भूषण वीर रस के कवि थे।

8 ''कवि भूषण अपने युग के राष्ट्रीय कवि थे।'' इस कथन पर प्रकाश डालिए।

9 '' 'उषा' कविता गांव की सुबह का गतिशील चित्र है।' इस कथन को सतर्क स्पष्ट कीजिए।

10 ''भाषा, बिम्ब और लय का सुंदर मेंल कविता 'उषा' को अत्यंत, आकर्षक बनाता है।'' इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

11 भय के साध्य और असाध्य दोनों रूपों को समझाइए।

12 ''जंगली एवं असभ्य जातियों में भय अधिक होता है।'' आचार्य शुक्ल के 'भय ' निबंध के उक्त कथन को सिद्ध कीजिए।''

13 ''बाजार में एक जादू है।'' इस कथन को 'बाजारदर्शन' अध्याय के आधार पर उचित उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।

14 ''बाजार से हठपूर्वक विमुखता उनमें नहीं।'' वाक्यांश किसके लिए क्यों कहा गया है? विस्तार से विवेचना कीजिए।

15 ''किसी ऐसे ही क्षण में, ऐसे ही ठेलों पर लदे हिमालय से धिंरकर ही तो तुलसी ने नहीं कहा था– कबहुँक हौं यहि रहनि रहौंगो.....।'' इस कथन के आधार पर हिमालय के सौंदर्य का वर्णन कीजिए।''

16 ''क्यों पुराने साधकों ने दैहिक, दैविक और भौतिक कष्टों को ताप कहा था और उसे शमित करने के लिए वे क्यों हिमालय जाते थे, यह पहली बार मेरी समझ में आ रहा था।'' 'ठेले पर हिमालय' पाठ के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

17 'तौलिये' एकांकी के माध्यम से लेखक ने किस आडम्बर वे खोखलेपन को अभिव्यक्त किया है?

18 ‘तौलिये’ एकांकी के आधार पर आज के तड़क–भड़क व तकल्लूफ–प्रधान जीवन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

19 ‘ममता’ के माध्यम से नारी के त्याग एवं आदर्शों पर एक लेख लिखिए।

20 ‘ममता’ कहानी के प्रधान पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए।

21 ‘’ ‘उसने कहा था’ कहानी का कथानक निश्छल प्रेम, त्याग और कर्त्तव्यनिष्ठा को केन्द्र में रखकर बुना गया है और लहना सिंह की मृत्यु शैया पर उसका अंत कैसा होता है।’’ इस कथन की युक्तियुक्त विवेचना कीजिए।

22 ‘उसने कहा था’ कहानी नायक लहना सिंह का चरित्र चित्रण कीजिए।

23 ‘उसने कहा था’ कहानी की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

24 संकलित आत्मकथा के आधार पर गाँधी जी के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

25 ‘खादी का जन्म’ पाठांश का सार अपने शब्दों में लिखिए।

26 ‘सत्य के प्रयोग’ शीर्षक पाठ में संकलित अंशों में जिन सत्यों के प्रयोग का वर्णन किया गया है, उन्हें स्पष्ट कीजिए।

27 ‘गौरा’ रेखाचित्र की विशेषताएं लिखिए।

28 ‘‘आह, मेरा गोपालक देश।’’ पंक्ति में निहित वेदना का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

29 पूज्य गोविन्द गुरु एवं महाराजा सूरजमल के जीवन–चरित एवं सामाजिक समरसता के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

30 ‘देवनारायण जी, रामदेव जी एवं संत जम्भेश्वर को ‘राजस्थान का गौरव’ क्यों कहा जाता है? ‘राजस्थान के गौरव’ अध्याय के आधार पर स्पष्ट कीजिए।